विषय-सूची

मुख्य संपादक की कलम से

रिडलान एआई फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में रोजगार मेला

डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती का आयोजन

मनन डीईआई पुरस्कार

श्रवण दिव्यांगजन राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव

क्विलिंग कार्यशाला

सीडीईआईसी का ग्रीष्मकालीन शिविर

सीएपीडी पर लघु फिल्म निर्माण

माननीय केंद्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का दौरा

संसदीय स्थायी समिति का संस्थान दौरा

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

संयुक्त सचिव, दि.स.वि ,.सा.न्या.अधि.मंत्रालय का संस्थान दौरा

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरुकता

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

सचिव, दिव्यांग कल्याण, महाराष्ट्र शासन का संस्थान दौरा

क्षम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिव्यांगजन रोजगार मेला

जनसंपर्क गतिविधि भाभा अस्पताल में नवजात शिशुओं की श्रवण-जांच

सफलता की कहानियां

संपादकीय दल

मुख्य संपादक: सुमन कुमार

संपादन, अभिकल्पना एवं प्रकाशन: सुश्री छांदसी अनारसे एवं श्री वेद प्रकाश

अस्वीकरण

इस समाचार.पत्रिका का प्रकाशन अ-या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान द्वारा सूचना के प्रसार एवं संस्थान की गतिविधियों से संबंधित जानकारी साझा करने के उद्देश्य से किया गया है। इसमें संस्थान के मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री भी सम्मिलित है। विभिन्न लेखों एवं योगदानों में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों अथवा योगदानकर्ताओं के निजी विचार हैं तथा उन्हें आवश्यक रूप से संस्थान का आधिकारिक मत नहीं माना जाना चाहिए।

अपनी टिप्पणियां, सुझाव एवं रचनात्मक योगदान निम्नलिखित पते पर भेजें :**मुख्य संपादक, 'निनाद' त्रैमासिकी** अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–400050,भारत

ईमेल: ayjnihhmum@ayjnihh.nic.in; chhandasi.nishd@ayjnihh.nic.in

प्रकाशक: डॉ. सुमन कुमार

निनाद | खंड 1 | अप्रैल–जून 2026

केवल आंतरिक परिचालन हेतु।

मुख्य संपादक की कलम से



अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान परिवार के प्रिय सदस्यों,

'निनाद' समाचार-त्रैमासिकी के अप्रैल–जून 2026 के द्वितीय त्रैमासिक अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। इस अंक में संस्थान तथा इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा इस अवधि में अर्जित प्रमुख उपलब्धियों, संचालित पहलों और संपन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैदानिक सेवाओं, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास तथा सामुदायिक पहुँच गतिविधियों के माध्यम से वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु अपनी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। इस तिमाही का शुभारंभ विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस के अवसर पर एक महत्त्वपूर्ण सहयोगात्मक पहल के साथ हुआ। संस्थान ने दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुगम एवं उपयोगी समाधान विकसित करने के उद्देश्य से रिडलान एआई फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग पुनर्वास सेवाओं में आधुनिक प्रौद्योगिकी के समावेश तथा समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

संस्थान एवं इसके क्षेत्रीय केंद्रों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर समानता, सामाजिक न्याय तथा शिक्षा के महत्त्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः अभिव्यक्त किया। इसी अवधि में संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा को मनन विविधता, समता एवं समावेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समावेशी शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण नैदानिक सेवाओं तथा पुनर्वास गतिविधियों के क्षेत्र में संस्थान के निरंतर प्रयासों की सराहना का प्रतीक है। संस्थान द्वारा क्विलिंग कार्यशाला, सीडीईआईसी के ग्रीष्मकालीन शिविर, जागरूकता कार्यक्रमों तथा श्रवण दिव्यांजन राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में सहभागिता जैसी विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के माध्यम से रचनात्मकता, नवाचार और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित किया गया। संस्थान के क्षेत्रीय केंद्रों ने भी रोजगार मेलों, जन-जागरूकता अभियानों तथा शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया, जिससे देशभर में संस्थान की सेवाओं का विस्तार हुआ। इस अवधि में संस्थान को अनेक प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के आगमन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इनमें माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय सभापति श्री पी. सी. मोहन तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हैं। इन गणमान्य व्यक्तियों के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से दिव्यांगजनों के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आवश्यकता-आधारित सेवाएँ उपलब्ध कराने के हमारे संकल्प को और बल मिला है। संस्थान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस तथा बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सहित विभिन्न महत्त्वपूर्ण अवसरों का आयोजन भी किया गया। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, कर्मचारियों, अभिभावकों तथा समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इन गतिविधियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, कल्याण, सहभागिता तथा समावेशिता के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया।

इस अवसर पर मैं संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, पूर्व के विद्यार्थियों तथा सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। उनके समर्पण, परिश्रम और निरंतर सहयोग से संस्थान की प्रगति को नई दिशा मिली है। आइए, हम सब मिलकर शिक्षा, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार तथा समावेशी विकास के क्षेत्र में अपने प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करें, ताकि प्रत्येक दिव्यांगजन को सम्मानपूर्वक, आत्मनिर्भरता के साथ तथा समान अवसरों के आधार पर जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो सके।

(डॉ. सुमन कुमार)

निदेशक एवं मुख्य संपादक

पृष्ठ 1-7

रिडलान एआई फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

1 अप्रैल 2026 को, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान ने 'वर्ल्ड ऑटिज़्म डे' के अवसर पर रिडलान एआई फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता, सुरक्षा और सहायता को बेहतर बनाने के लिए एआई आधारित समाधान विकसित करना है। इस सहयोग से स्मार्ट QR-बेस्ड ID सिस्टम, AI-पावर्ड कम्युनिकेशन टूल्स और बड़े पैमाने पर लागू होने वाले देशव्यापी समाधान लाए जाएंगे, जिनका लक्ष्य पूरे भारत में 1 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी पर असर डालना है।



क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में रोजगार मेला

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा समर्थणम् ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के सहयोग से दिनांक 19 मार्च, 2026 को परिसर साक्षात्कार एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में इंडिगो, क्वेस कॉर्प, रैंडस्टैड, आईएसएस डीटीएसएस, रिलायंस स्मार्ट बाजार, रिलायंस ट्रेंड्स, एसेंसिव एचआर, वरुण बेवरेजेस, एटिपिकल एडवांटेजेज, ब्लूडार्ट एवं मर्विस इन्फोटेक सहित 12 संभावित नियोक्ताओं ने भाग लिया। कुल 252 अभ्यर्थी साक्षात्कार में सम्मिलित हुए, जिनमें से आयोजन के दिन विभिन्न पदों हेतु 37 अभ्यर्थियों का चयन किया गया तथा बाद में 82 अन्य अभ्यर्थियों का भी चयन किया गया।





डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती का आयोजन

संस्थान के मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केंद्रों में दिनांक 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर महान समाज सुधारक, दूरदर्शी विचारक तथा भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार डॉ. आंबेडकर के योगदान का स्मरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित करके तथा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ. गायत्री आहूजा, रीडर एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग ने अपने संबोधन में डॉ. आंबेडकर के जीवन से प्राप्त तीन महत्त्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डाला— शिक्षा का महत्त्व, अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता एवं उनके लिए प्रयास करने की आवश्यकता तथा सामूहिक कार्य और सहयोग की भावना। उन्होंने भारतीय संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सभी से इन आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने तथा सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।



मनन डीईआई पुरस्कार

संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा को संस्थागत उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित मनन विविधता, समता एवं समावेशन सम्मेलन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दिनांक 18 अप्रैल 2026 को प्रदान किया गया। यह सम्मान विगत 39 वर्षों से वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, शिक्षा, पुनर्वास तथा सामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों और योगदान का परिचायक है। संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण नैदानिक सेवाओं, मानव संसाधन विकास, शैक्षणिक गतिविधियों तथा सामुदायिक पहुँच कार्यक्रमों के माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु उल्लेखनीय कार्य किया है। यह पुरस्कार विविधता, समता एवं समावेशन के मूल्यों को प्रोत्साहित करने तथा दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुलभ एवं समान अवसरों से युक्त वातावरण निर्मित करने की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करता है।



श्रवण दिव्यांजन राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव

संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, जालना में डीटीआईएसएल पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्राओं—सुश्री जैस्मीन अख्तर, सुश्री प्रमिला साहू तथा सुश्री सस्मिता लीमा— का चयन भुवनेश्वर स्थित ओडिशा फाउंडेशन ऑफ डेफ वुमेन द्वारा बधिर महिलाओं के छठे राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में सहभागिता हेतु किया गया। इन छात्राओं ने दिनांक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक चंडीगढ़ में आयोजित इस महोत्सव में सहभागिता की। उनकी टीम ने नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार तथा नाटक एवं दुल्हन मेहंदी प्रतियोगिताओं में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।



क्विलिंग कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग, मुंबई द्वारा दिनांक 9 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक क्विलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन सुश्री स्मिता एम. पाटिल द्वारा किया गया। इस रचनात्मक गतिविधि में संस्थान के धिकारियों एवं कर्मचारियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा बच्चों सहित 84 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रतिभागियों ने कागज की पतली पट्टियों को विभिन्न आकारों में मोड़कर आकर्षक कलाकृतियां बनाने की कला सीखी। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक क्षमता विकसित करने, नई कला सीखने तथा सामूहिक सहभागिता के माध्यम से आनंददायक अनुभव आनंददायक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।



सीडीईआईसी का ग्रीष्मकालीन शिविर

संस्थान सीडीईआईसी द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर तथा उनके अभिभावकों के लिए सहभागिता कार्यक्रम 4 से 9 मई 2025 के बीच आयोजित किया गया। शिविर के दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रार्थना, ध्यान, योग, स्मरणशक्ति-वर्धक गतिविधियां, रचनात्मक कार्य, दैनिक जीवन संबंधी कौशल, मनोरंजक खेल, कहानी-कथन तथा कविता-पाठ जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभिभावक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग तथा क्रोशिया बुनाई कौशल से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, अभिभावकों एवं बच्चों को प्रेरित करने के उद्देश्य से 'सितारे ज़मीन पर' प्रेरणादायक फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा योग सत्र का आयोजन भी किया गया।



सीएपीडी पर लघु फिल्म निर्माण

वाक् एवं श्रवण जागरूकता माह (मई) के अंतर्गत अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता ने लघु फ़िल्म निर्माण प्रतियोगिता में अपनी प्रविष्टि "द क्वाइट

स्ट्रगल: सीएपीडी – द इनविज़िबल चैलेंज" के माध्यम से सहभागिता की। इस फ़िल्म द्वारा सीएपीडी तथा इससे संबंधित प्रायः अनदेखी रह जाने वाली संचार संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूकता प्रसारित की गई। संस्थान को यह साझा करते हुए हर्ष हो रहा है कि इस फ़िल्म को सर्वश्रेष्ठ लघु फ़िल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि हेतु सुश्री अभिलाषा सिंह, सुश्री दक्षता अस्थाना एवं श्री ज्योतिप्रसाद बेहुरा (बी.ए.एस.एल.पी. तृतीय वर्ष) को उनकी सृजनात्मकता एवं समर्पण के लिए हार्दिक बधाई तथा संकाय सदस्यों डॉ. प्रीति साहू, डॉ. इंद्रनील चटर्जी एवं श्री अर्घ्य पॉलिक के बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु हार्दिक प्रशंसा।



माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार का क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता दौरा

माननीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने 25 मई, 2026 को अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता का दौरा किया। इस दौरान श्री राजीव शर्मा, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार भी माननीय मंत्री जी के साथ उपस्थित रहे।

संस्थान की ओर से डॉ. इंद्रनील चटर्जी, व्याख्याता (वाक् एवं श्रवण) ने माननीय मंत्री जी एवं संयुक्त सचिव का स्वागत किया।

इस दौरान माननीय मंत्री जी ने संस्थान की गतिविधियों एवं सेवाओं की समीक्षा की तथा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास की दिशा में क्षेत्रीय केंद्र के



के प्रयासों की सराहना की। श्री राजीव शर्मा, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वातानुकूलित वाक् एवं भाषा चिकित्सा इकाई का उद्घाटन किया गया। यह अत्याधुनिक सुविधा वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों को उन्नत वाक् एवं भाषा चिकित्सा सेवाएं तथा व्यापक पुनर्वास सहायता प्रदान करने की संस्थान की क्षमता को सुदृढ़ करेगी।



अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी संसदीय स्थायी समिति के माननीय सभापति श्री पी.सी. मोहन एवं समिति के सदस्यों का भ्रमण

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई को 3 जून, 2026 को अध्ययन भ्रमण के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी स्थायी समिति (2025-26) के माननीय सभापति श्री पी.सी. मोहन एवं समिति के सदस्यों की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. सुमन कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। भ्रमण का शुभारंभ वृक्षारोपण समारोह से हुआ, जिसके पश्चात संस्थान की उपलब्धियों, शैक्षणिक एवं नैदानिक सेवाओं, अनुसंधान पहलों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क गतिविधियों पर प्रकाश



डालते हुए प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान श्री पी.सी. मोहन ने संस्थान के दो प्रकाशनों का विमोचन किया- दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों हेतु श्रीमती पूनम म्हात्रे, समन्वयक, सीडीईआईसी एवं डॉ. सुनी मैथ्यू, प्रभारी, सीडीईआईसी द्वारा विकसित 'ग्रोइंग टुगेदर' तथा डॉ. सुमन कुमार, निदेशक द्वारा विकसित 'कम्युनिकेशन लिंग्विस्टिक असेसमेंट प्रोटोकॉल इन बांग्ला फॉर राइट हेमिस्फियर डिसऑर्डर्स'। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन एवं समीक्षा की, लाभार्थियों से संवाद किया तथा दिव्यांगजनों के लिए प्रदान की जा रही सेवाओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। भ्रमण का प्रमुख आकर्षण संस्थान के नवीनीकृत श्रवण-विज्ञान विभाग का उद्घाटन रहा, जिसका उद्देश्य नैदानिक एवं अन्य पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ एवं विस्तारित करना है। माननीय सभापति एवं समिति के सदस्यों ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, शिक्षा, पुनर्वास एवं समावेशन के क्षेत्र में संस्थान के योगदान की सराहना की तथा देशभर में सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के इसके प्रयासों की प्रशंसा की।



विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई एवं इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा 5 जून, 2026 को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया तथा कहानी-कथन एवं दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व पर चर्चा आयोजित की। बच्चों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने जैसी सरल अवधारणाओं से परिचित कराया गया। श्रवण दिव्यांग बच्चों ने पौधारोपण, पौधों को पानी देने एवं रंग-बिरंगे चित्र बनाने जैसी व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य मनोरंजक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना विकसित करना था। शिक्षकों ने सभी गतिविधियों के दौरान बच्चों का मार्गदर्शन किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे सहयोगपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण का निर्माण हुआ। यह आयोजन सीखने एवं खेलने का सुंदर समन्वय रहा, जिसने कम आयु में ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने में सफलता प्राप्त की तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह सिखाता है कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ पर्यावरण आवश्यक है। हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए।



संयुक्त सचिव श्री गिरीश सी. होसुर का संस्थान दौरा

श्री गिरीश सी. होसूर, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 12 जून, 2026 को अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई का दौरा किया। वे वर्तमान में संस्थान की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

किया तथा उन्हें सम्मानित किया। भ्रमण के दौरान संयुक्त सचिव ने सीडीईआईसी, श्रवण विज्ञान विभाग, वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान विभाग, मनोविज्ञान विभाग, शिक्षा विभाग, ओईएसडी, आईडीसी, पुस्तकालय तथा निर्माणाधीन छात्रावास भवन का अवलोकन किया। संयुक्त सचिव ने टेली-पुनर्वास एवं वॉयस रिकॉर्डिंग कक्ष का उद्घाटन भी किया, जो संस्थान में उन्नत नैदानिक एवं पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।





नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जागरूकता

वाचाघात जागरूकता माह 2026 के उपलक्ष्य में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा 8 जून, 2026 को "प्रारंभिक पहचान एवं हस्तक्षेप" विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह नुक्कड़ नाटक बी.ए.एस.एल.पी. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, एनआईईपीआईडी. के क्षेत्रीय केंद्र तथा एनआईएलडी, कोलकाता के परिसरों में प्रस्तुत किया गया।

इस रोचक एवं जानकारीपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से आगंतुकों, सेवाग्राहियों, अभिभावकों, देखभालकर्ताओं तथा दिव्यांगजनों के बीच वाचाघात सहित संचार संबंधी विकारों की प्रारंभिक पहचान एवं समय पर हस्तक्षेप के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। इस पहल से वाक्, भाषा एवं श्रवण संबंधी चुनौतियों तथा प्रारंभिक पुनर्वास सेवाओं के लाभों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने में सहायता मिली।





अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (2026) का आयोजन सभी केंद्रों में किया गया। अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई में यह कार्यक्रम न्यू एज इंस्टीट्यूट, विले पार्ले के सहयोग से जुहू समुद्र तट पर 'स्वस्थ वृद्धावस्था हेतु योग' विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया।



इस अवसर पर महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में 50 दिव्यांगजनों सहित 1,400 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे समावेशिता एवं सर्वजन कल्याण की भावना को बढ़ावा मिला।

संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। इस आयोजन ने भारत सरकार की परिकल्पना एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उद्देश्यों के अनुरूप ऐसे समावेशी समाज के निर्माण के प्रति अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि संस्थान की सतत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया, जहाँ स्वास्थ्य, कल्याण एवं सहभागिता सभी के लिए सुलभ हों।



सचिव, दिव्यांग कल्याण, महाराष्ट्र शासन का संस्थान दौरा

डॉ. माणिक जी. गुरसाल, सचिव, दिव्यांग कल्याण विभाग, महाराष्ट्र शासन ने 6 जुलाई, 2026 को अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई का दौरा किया। संस्थान के निदेशक डॉ. सुमन कुमार ने डॉ. माणिक जी. गुरसाल का हार्दिक स्वागत किया तथा उन्हें

सम्मानित किया।

भ्रमण के दौरान सचिव ने श्रवण विज्ञान विभाग, वाक् एवं भाषा विकृति विज्ञान विभाग तथा सीडीईआईसी का अवलोकन किया। सचिव ने दिव्यांगजनों को व्यापक नैदानिक, शैक्षणिक एवं समुदाय-आधारित सेवाएं प्रदान करने में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समावेशी समाज की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में योगदान हेतु संस्थान को अपनी जन-पहुंच, अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को निरंतर सुदृढ़ करने के लिए प्रोत्साहित किया।





क्षम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई एवं क्षम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के मध्य श्रवण दिव्यांगजनों हेतु अगली पीढ़ी की सहायक प्रौद्योगिकियों के नैदानिक सत्यापन, अनुसंधान एवं विकास के लिए सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के अंतर्गत नैदानिक परीक्षण एवं अनुसंधान, नवोन्मेषी श्रवण-सहायक उत्पादों का सत्यापन तथा भारत में किफायती एवं सुलभ श्रवण-देखभाल पारितंत्र का विकास किया जाएगा। इस साझेदारी से उपयोगकर्ता-केंद्रित प्रौद्योगिकियों के विकास को सुदृढ़ करने तथा नैदानिक एवं पुनर्वास संबंधी कार्यों में उनके प्रभावी अनुप्रयोग को बढ़ावा मिलने की अपेक्षा है

इस समझौता ज्ञापन पर डॉ. सुमन कुमार, निदेशक, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई एवं क्षम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के श्री प्रतीक रघुवंशी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. शिवराज भिमटे, रीडर, श्रवण विज्ञान विभाग तथा क्षम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के श्री ग्रीशम शर्मा भी उपस्थित रहे।



दिव्यांगजन रोजगार मेला

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई द्वारा समर्थानम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड, मुंबई के सहयोग से 16 जुलाई, 2026 को स्वामी मुक्तानंद सभागृह, कुर्ला (पूर्व), मुंबई में दिव्यांग रोजगार मेला आयोजित किया गया।

गति विषयक्, श्रवण, दृष्टि दिव्यांगता एवं बौनापन से संबंधित पंजीकृत 253 दिव्यांगजनों में से 133 अभ्यर्थियों ने उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग लिया। इस भर्ती अभियान में बीपीसीएल, बिगबास्केट, सदरलैंड, ब्लू डार्ट, क्वेस कॉर्प लिमिटेड, अमेज़न, इंडिगो, हिताची, वेस्टसाइड, बर्गर किंग सहित कुल 15 नियोक्ताओं ने सहभागिता की।

इस आयोजन ने अभ्यर्थियों को नियोक्ताओं से संवाद करने तथा उपयुक्त रोजगार के अवसर तलाशने का अवसर प्रदान किया। चयनित अभ्यर्थियों से संबंधित नियोक्ताओं द्वारा भर्ती की आगामी प्रक्रिया एवं कार्यग्रहण संबंधी औपचारिकताओं हेतु संपर्क किया।



जनसंपर्क गतिविधि : भाभा अस्पताल में नवजात शिशुओं की श्रवणजाँच-

अपनी सतत जनसंपर्क एवं प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाओं के अंतर्गत, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई द्वारा भाभा अस्पताल, बांद्रा, मुंबई में प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को नवजात शिशुओं की श्रवण जांच (एनबीएचएस) की जा रही है।



इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं में श्रवण दिव्यांगता की शीघ्र पहचान करना है, जिससे समय पर संदर्भन, निदान एवं हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा सके। अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं की उपयुक्त श्रवण जांच

प्रक्रियाओं के माध्यम से जांच की जाती है। प्रारंभिक जांच में सफल नहीं होने वाले शिशुओं को आवश्यकतानुसार पुनः जांच एवं आगे की श्रवण-विज्ञान संबंधी उपचार कराने की सलाह दी जाती है।

यह पहल बाल्यावस्था में श्रवण हानि की शीघ्र पहचान एवं समय पर प्रबंधन को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे वाक्, भाषा, संचार एवं समग्र विकास के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है।

भाभा अस्पताल में नियमित जनसंपर्क सेवाओं के माध्यम से अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई परिवारों एवं समुदाय के बीच नवजात श्रवण जांच तथा प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं उनकी सुलभता को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

सफलता की कहानियां...

बाईस वर्ष: आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और उपलब्धियों का सफर

वर्ष 2004 में कॉक्लिअर इम्प्लांट की यात्रा आरंभ होने के 22 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। श्रवण की दिशा में अपने शुरुआती कदमों से लेकर एक आत्मविश्वासी और स्वतंत्र व्यक्ति बनने तक, प्रणव की यात्रा प्रौद्योगिकी, समय पर हस्तक्षेप, पारिवारिक सहयोग और दृढ़ संकल्प की शक्ति को दर्शाती है।

उनके शब्दों में, "यह यात्रा केवल ध्वनियां सुनने तक सीमित नहीं थी; यह अपनी आवाज़, अपनी स्वतंत्रता और जीवन को एक नए दृष्टिकोण से अनुभव करने का अवसर पाने की यात्रा थी।" उनकी कहानी उन परिवारजनों, चिकित्सकों, श्रवण-विज्ञान विशेषज्ञों, शिक्षकों और पुनर्वास पेशेवरों के सहयोग का उत्सव है, जिन्होंने इस यात्रा में उनका साथ दिया। साथ ही, यह प्रेरणादायक संदेश देती है कि उचित सहयोग और दृढ़ संकल्प से संभावनाओं को उपलब्धियों में बदला जा सकता है।



हमारी प्रतिभाशाली एवं होनहार छात्रा ज़ैनब से परिचय

सुश्री ज़ैनब ने वर्ष 2011 में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई में अपनी यात्रा आरंभ की। संस्थान के मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्होंने वर्ष 2013 में कॉक्लिअर इम्प्लांट लगवाया गया। तब से संस्थान ने उनकी विकासात्मक एवं शैक्षिक यात्रा के दौरान निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया है।

ज़ैनब एवं उनके माता-पिता संस्थान के कर्मचारियों द्वारा निरंतर प्रदान किए गए सहयोग, देखभाल एवं प्रोत्साहन को स्नेहपूर्वक स्मरण करते हैं। वे संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं एवं सहयोग के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने उनकी यात्रा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज ज़ैनब की उपलब्धियां इस बात का प्रेरणादायक उदाहरण हैं कि समय पर हस्तक्षेप, उपयुक्त प्रौद्योगिकी, निरंतर सहयोग एवं दृढ़ संकल्प से श्रवण दिव्यांगता से प्रभावित बच्चों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले जा सकते हैं। उनकी यात्रा प्रारंभिक हस्तक्षेप के प्रभाव तथा परिवार एवं पेशेवरों के सतत सहयोग के महत्त्व को दर्शाती है।



सिरिना की सफलता की कहानी

सिरिना के माता-पिता वर्ष 2017 में, जब वह मात्र डेढ़ वर्ष की थी, उसकी श्रवण दिव्यांगता के उपचार हेतु अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (दिव्यांगजन), मुंबई आए थे। प्रारंभ में, एडिप योजना के अंतर्गत प्रदान की गई श्रवण यंत्रों की सहायता से उसकी वाक् एवं भाषा चिकित्सा शुरू की गई।



गहन एवं निरंतर वाक् एवं भाषा चिकित्सा के बावजूद अपेक्षित सुधार न होने पर उसे कॉक्लियर इम्प्लांट कराने की सलाह दी गई। इसके पश्चात, दिनांक 19 जनवरी 2019 को ADIP योजना के अंतर्गत उसका कॉक्लियर इम्प्लांट सफलतापूर्वक किया गया तथा दिनांक 19 फरवरी 2019 को उसका डिवाइस स्विच ऑन किया गया।

तब से सिरिना अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (दिव्यांगजन), मुंबई में शल्यक्रिया के पश्चात पुनर्वास सेवाओं का लाभ उठा रही है। इन सेवाओं के माध्यम से उसने अब तक उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

मैं अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान के प्रति इसके निरंतर सहयोग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा श्रवण दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के प्रति समर्पण हेतु हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

मेरी जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि समय पर हस्तक्षेप, परिवार का सहयोग, समर्पित विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और समावेशी शिक्षा किस प्रकार जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (दिव्यांगजन), मुंबई को सिरिना और उसके माता-पिता द्वारा उसकी प्रगति के लिए किए गए निरंतर प्रयासों पर गर्व है। संस्थान उसके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति और सफल जीवन की हार्दिक कामना करता है।